

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 27 जून, 2022

अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दविस

हर वर्ष 27 जून को **सतत विकास लक्ष्यों** (Sustainable Development Goals- SDGs) के कार्यान्वयन में सूक्ष्म, लघु और मध्यम आकार के उद्यमों के योगदान को मान्यता देने हेतु सूक्ष्म, लघु और मध्यम आकार के उद्यम (Micro, Small and Medium-sized Enterprises (MSMEs) दविस का आयोजन जाता है। अप्रैल 2017 में **संयुक्त राष्ट्र** (United Nations- UN) ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से 27 जून को सूक्ष्म, लघु और मध्यम आकार के उद्यम दविस के रूप में नामित किया। मई 2017 में 'एनहेन्सिंग नेशनल केपेसटीज़ फॉर अनलेशिंग फुल पोटेंशियल्स ऑफ एमएसएमई इन अचीविंग द एसडीजीज़ इन डेवलपिंग कंट्रीज़' (Enhancing National Capacities for Unleashing Full Potentials of MSMEs in Achieving the SDGs in Developing Countries) नामक एक कार्यक्रम शुरू किया गया। इसे संयुक्त राष्ट्र शांति और विकास कोष (United Nations Peace and Development Fund) के सतत विकास उप-नधिका के लिये 2030 एजेंडा द्वारा वित्तपोषित किया गया है। MSME दविस 2022 की थीम “**आत्मनरिभर MSMEs को शक्तिप्रदान करने के लिये भारत की आपूर्ति शृंखला को मजबूत करना**” है। नीति, प्रौद्योगिकी, नेतृत्व, कौशल और पूरे पारस्थितिकी तंत्र को नई क्षमताओं को विकसित करने, मौजूदा को बढ़ाने और एक नई दुनिया के लिये तैयार रहने की आवश्यकता है।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

27 जुलाई, 2022 को देश भर में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. **अब्दुल कलाम** की सातवीं पुण्यतिथि मनाई जा रही है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर, 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ था। उन्होंने वर्ष 2002 से वर्ष 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। वे न केवल एक सुविख्यात एयरोस्पेस वैज्ञानिक थे, बल्कि महान शक्तिषक भी थे, जिनोंने **रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन** (DRDO) तथा **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन** (ISRO) के साथ काम किया था। डॉ. कलाम वर्ष 1962 में 'भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन' से जुड़े और वहाँ उन्हें प्रोजेक्ट डायरेक्टर के तौर पर भारत का पहला स्वदेशी उपग्रह (SLV- III) परिक्षेपास्त्र बनाने का श्रेय हासिल हुआ। अब्दुल कलाम भारत के मसिाइल कार्यक्रम के जनक माने जाते हैं, वे 'आम जनमानस के राष्ट्रपति' के तौर पर प्रसिद्ध हैं। डॉ. कलाम ने अपने 'सादा जीवन, उच्च विचार' के दर्शन से भारत समेत दुनिया भर के लाखों युवाओं को प्रेरित किया है। **संयुक्त राष्ट्र** (UN) ने डॉ. कलाम के जन्म दविस को चिह्नित करते हुए वर्ष 2010 में 15 अक्टूबर को विश्व छात्र दविस के रूप में नामित किया था। डॉ. कलाम की उपलब्धियों को इस बात से समझा जा सकता है कि उन्हें भारत एवं विदेशों के 48 विश्वविद्यालयों और संस्थानों द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया था। उन्होंने वर्ष 1992 से वर्ष 1999 तक प्रधानमंत्री के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार के रूप में भी कार्य किया। डॉ. कलाम को वर्ष 1981 में पद्मभूषण, वर्ष 1990 में पद्मविभूषण और वर्ष 1997 में 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दविस

हर वर्ष 26 जून को संयुक्त राष्ट्र द्वारा नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दविस मनाया जाता है। इस दविस को वर्ष 1989 से मनाया जा रहा है। 26 जून की तारीख को ग्वांगडोंग में लनि जेक्सू द्वारा अफीम व्यापार को समाप्त करने के उपलक्ष्य में चुनी गई है। संयुक्त राष्ट्र की वर्ल्ड ड्रग रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर अवैध ड्रग का मूल्य प्रतिवर्ष 322 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। वर्ल्ड ड्रग रिपोर्ट में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया है कि वर्ष 2018 में लगभग 269 मिलियन लोगों ने ड्रग्स का इस्तेमाल किया जो वर्ष 2009 की तुलना में 30% अधिक है। UNODC संयुक्त राष्ट्र का एक अंग है जो विश्व को ड्रग्स, भ्रष्टाचार, अपराध और आतंकवाद से सुरक्षित रखने में मदद करता है।

वाणजिय भवन और नरियात पोर्टल

23 जून, 2022 को प्रधानमंत्री ने नए “वाणजिय भवन” का उद्घाटन किया। वाणजिय भवन उद्योग और नरियातकों को अपने लिये दीर्घकालिक नरियात लक्ष्य निर्धारित करने के साथ-साथ उन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये सरकार को सुझाव देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह भारत के विकासशील राष्ट्र से विकसित राष्ट्र में परिवर्तित होने में नरियात द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है। प्रधानमंत्री ने नरियात पोर्टल (NIRYAT – National Import-Export Record for Yearly Analysis of Trade) का भी शुभारंभ किया। इस पोर्टल को हतिधारकों के लिये वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया गया है, जहाँ उन्हें भारत के विदेशी व्यापार से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी प्राप्त होगी। यह सभी हतिधारकों को रीयल टाइम डेटा प्रदान करेगा।

